

SKPF-Wincompete Test Series 2026

खण्ड 3: भूगोल (विश्व, भारत और राजस्थान)

Test 11 -भारत का भूगोल(आर्थिक)

आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
1	B	11	B
2	D	12	B
3	B	13	A
4	D	14	B
5	B	15	B
6	B	16	C
7	B	17	D
8	D	18	B
9	C	19	B
10	B	20	B

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
21	A	31	B
22	B	32	B
23	B	33	A
24	D	34	B
25	A	35	A
26	B	36	D
27	B	37	A
28	D	38	B
29	C	39	B
30	B	40	B

wincomplete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
41	B	51	B
42	B	52	B
43	A	53	B
44	B	54	B
45	B	55	A
46	A	56	D
47	A	57	B
48	C	58	B
49	A	59	B
50	B	60	B

wincomplete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
61	B	71	B
62	B	72	B
63	B	73	B
64	C	74	B
65	B	75	A
66	A	76	D
67	B	77	A
68	D	78	B
69	A	79	B
70	A	80	B

wincomplete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
81	B	91	B
82	B	92	B
83	B	93	A
84	D	94	B
85	B	95	B
86	B	96	D
87	A	97	B
88	D	98	B
89	A	99	B
90	B	100	A

wincomplete

SKPF-Wincompete Test Series 2026

खण्ड 3: भूगोल (विश्व, भारत और राजस्थान)

Test 11 -भारत का भूगोल(आर्थिक)

उत्तर और विस्तृत व्याख्या

प्रश्न 1: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन III पूर्णतः सत्य है। शुद्ध बोया गया क्षेत्र वह कुल क्षेत्रफल है जिस पर फसलें उगाई और काटी जाती हैं। कथन I गलत है क्योंकि कृषि योग्य व्यर्थ भूमि वह भूमि होती है जो पिछले 5 वर्षों से अधिक समय से खाली पड़ी हो। कथन II भी गलत है क्योंकि वर्तमान परती भूमि वह होती है जो केवल एक कृषि वर्ष या उससे कम समय के लिए खाली छोड़ी गई हो।

प्रश्न 2: सही उत्तर D

व्याख्या : कथन और कारण दोनों पूर्णतः असत्य हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत में नगरीकरण, औद्योगिकीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास के कारण गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में निरंतर तीव्र 'वृद्धि' दर्ज की गई है, न कि गिरावट। ग्रामीण आवासीय भूमि को वनों में परिवर्तित नहीं किया जा रहा है, बल्कि कृषि और ग्रामीण भूमि का झुकाव शहरी प्रसार की ओर है।

प्रश्न 3: सही उत्तर B

व्याख्या : निष्कर्ष II सत्य है क्योंकि भारत की लगभग 45.8% श्रम शक्ति आज भी आजीविका के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है, जिससे यह रोजगार का सबसे बड़ा प्राथमिक आधार है। निष्कर्ष I गलत है क्योंकि अन्य क्षेत्रों की वृद्धि के बावजूद कृषि पर श्रम शक्ति की प्रत्यक्ष निर्भरता समाप्त नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी बहुत बड़ी हिस्सेदारी रखती है।

प्रश्न 4: सही उत्तर D

व्याख्या : विकल्प D असंगत है। भारत में शुद्ध बोए गए क्षेत्र का वितरण अत्यधिक असमान है। पंजाब और हरियाणा में यह कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 80% से अधिक है, जबकि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम जैसे पहाड़ी व उत्तर-पूर्वी राज्यों में वनों की प्रचुरता और पहाड़ी भू-भाग के कारण शुद्ध बोया गया क्षेत्र 10% से भी कम पाया जाता है।

प्रश्न 5: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन I और III सत्य हैं। भारत में जोतों का आकार बहुत छोटा है और कुल जोतों का 86.2% हिस्सा लघु और सीमांत (2 हेक्टेयर से कम) श्रेणियों में आता है। सीमांत किसानों के पास 1 हेक्टेयर से कम भूमि होती है। कथन II गलत है क्योंकि विखंडन के कारण भारत में औसत जोत का आकार लगातार 'घटकर' 1.08 हेक्टेयर रह गया है, न कि बढ़ा है।

प्रश्न 6: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन सत्य है क्योंकि भारतीय कृषि में आवश्यकता से अधिक लोग लगे हुए हैं, जिसे प्रच्छन्न या छिपी हुई बेरोजगारी कहते हैं। कारण गलत है क्योंकि प्रच्छन्न बेरोजगारी की परिभाषा ही यह है कि यदि इन अतिरिक्त श्रमिकों को कार्य से हटा भी दिया जाए, तो कुल कृषि उत्पादन या उत्पादकता पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न 7: सही उत्तर B

व्याख्या : निष्कर्ष II सत्य है क्योंकि धान, मक्का, ज्वार, बाजरा और कपास खरीफ ऋतु की प्रमुख फसलें हैं जो जून-जुलाई में बोई जाती हैं। निष्कर्ष I गलत है क्योंकि गेहूँ, जौ, चना और सरसों रबी (शीतकालीन) ऋतु की फसलें हैं, न कि खरीफ की।

प्रश्न 8: सही उत्तर D

व्याख्या : विकल्प D असंगत है क्योंकि अरुणाचल प्रदेश पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण नलकूप सिंचाई के लिए उपयुक्त नहीं है; भारत में सर्वाधिक नलकूप सिंचित क्षेत्र उत्तर प्रदेश के मैदानी भागों में पाया जाता है। पंजाब में सस्य गहनता सर्वाधिक (190%+) है और सिक्किम देश का पहला पूर्ण जैविक राज्य (2016) है।

प्रश्न 9: सही उत्तर C

व्याख्या : कथन I और III सत्य हैं। धान (चावल) एक उष्णकटिबंधीय आर्द्र फसल है जिसके लिए 25 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान और गहरी जलोढ़ या चीका युक्त मिट्टी आवश्यक है। कथन II गलत है क्योंकि धान एक जल-प्रधान फसल है; 100 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे बिना सघन सिंचाई के उगाना संभव नहीं है।

प्रश्न 10: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन सत्य है। शीत ऋतु में भूमध्यसागरीय चक्रवातों (पश्चिमी विक्षोभ) के कारण होने वाली हल्की वर्षा को 'मावट' कहा जाता है, जो रबी की फसल (गेहूँ) के लिए अमृत तुल्य है। कारण सर्वथा गलत है क्योंकि गेहूँ रबी की फसल है, न कि उष्णकटिबंधीय खरीफ फसल। इसे पकने के समय शुष्क और खिली हुई धूप की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 11: सही उत्तर B

व्याख्या : पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के तटीय राज्यों में धान की तीन फसलें ली जाती हैं: शरदकालीन धान को 'ऑस' (Aus), शीतकालीन धान को 'अमन' (Aman), और ग्रीष्मकालीन धान को 'बोरो' (Boro) कहा जाता है। भारत के कुल धान उत्पादन में 'अमन' का हिस्सा लगभग 80% होता है। अतः सही कूट 1-c, 2-a, 3-b है।

प्रश्न 12: सही उत्तर B

व्याख्या : यह विवरण SRI विधि (System of Rice Intensification) की व्याख्या करता है। यह चावल की खेती की एक आधुनिक प्रणाली है जिसमें पौधों के बीच निश्चित दूरी रखी जाती है और खेतों में निरंतर पानी भरने की बजाय केवल नमी बनाए रखी जाती है, जिससे 40-50% पानी और कम बीजों में अधिक पैदावार होती है।

प्रश्न 13: सही उत्तर A

व्याख्या : कथन I और II सत्य हैं। कपास एक उष्णकटिबंधीय खरीफ फसल है जिसके लिए न्यूनतम 210 पाला रहित दिन और नमी धारण करने वाली काली मिट्टी (रेगुर) आदर्श होती है। कथन III गलत है क्योंकि 'नरमा' लंबे रेशे वाली अमेरिकन कपास की किस्म को कहा जाता है, जो मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी भारत (पंजाब, हरियाणा, राजस्थान) में उगाई जाती है।

प्रश्न 14: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन और कारण दोनों सत्य हैं। भारत में चीनी उद्योग उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित हो रहा है और दक्षिण की समुद्री जलवायु के कारण सुक्रोज रिकवरी दर अधिक (10-12%) होती है। परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या इसलिए नहीं करता क्योंकि यह 'AR विशिष्टता नियम' के तहत स्वतंत्र रूप से दोनों तथ्यों की सत्यता को स्थापित करता है, जहाँ विकल्प B सही उत्तर है।

प्रश्न 15: सही उत्तर B

व्याख्या : निष्कर्ष II सत्य है। केंद्र सरकार के तहत कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिश पर गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) की घोषणा की जाती है, जो मिलों के लिए बाध्यकारी है। निष्कर्ष I पूरी तरह गलत है क्योंकि इसका कपास संघ से कोई विधिक संबंध नहीं है।

प्रश्न 16: सही उत्तर C

व्याख्या : विकल्प C असंगत है क्योंकि प्रेस मड (Press Mud) का उपयोग रासायनिक कीटनाशकों के निर्माण में नहीं, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाली 'जैविक खाद' (Organic Manure) बनाने में किया जाता है। अन्य सभी विकल्प (खोई का उपयोग कागज/बिजली में और शीरे का उपयोग एथेनॉल में) गन्ने के वास्तविक उप-उत्पादों के सही आर्थिक उपयोग को दर्शाते हैं।

प्रश्न 17: सही उत्तर D

व्याख्या : तीनों कथन पूरी तरह सत्य हैं। चाय एक ढालू बागानी फसल है जिसकी जड़ों में पानी का जमाव घातक होता है। इसे प्रचुर वर्षा और अम्लीय मिट्टी (pH 4.5-5.5) की आवश्यकता होती है। वर्ष 2004 में दार्जिलिंग की चाय को भारत का पहला भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्राप्त हुआ था।

प्रश्न 18: सही उत्तर B

व्याख्या : कथन सत्य है। कॉफी के पौधे अत्यधिक तीव्र सीधी धूप के प्रति संवेदनशील होते हैं, इसलिए इन्हें छायादार वृक्षों के संरक्षण में उगाया जाता है (Shade-grown)। कारण गलत है क्योंकि भारत मुख्य रूप से 'अरेबिका' और 'रोबस्टा' दोनों किस्मों की उच्च गुणवत्ता वाली कॉफी का उत्पादन करता है और यह बर्फबारी वाले क्षेत्रों में नहीं बल्कि उष्णकटिबंधीय पहाड़ी ढालों पर उगती है।

प्रश्न 19: सही उत्तर B

व्याख्या : राष्ट्रीय चाय अनुसंधान केंद्र असम के जोरहाट (1-c) में स्थित है। केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान कर्नाटक के बालेहोनूर (2-a) में है। राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र राजस्थान के सेवर, भरतपुर (3-b) में स्थित है। यह मिलान 1-c, 2-a, 3-b के रूप में विकल्प B को सही सिद्ध करता है।

प्रश्न 20: सही उत्तर B

व्याख्या : यह विशिष्ट प्रक्रिया 'मानसून्ड मालाबार' (Monsooned Malabar) कहलाती है। इसके तहत

भारत के पश्चिमी तट (मालाबार) पर मानसून की नम और ठंडी हवाओं के प्रभाव से कॉफी के बीजों का अम्लीय स्तर बदल जाता है, जिससे उनकी कड़वाहट कम होती है और स्वाद में एक मखमली निखार आता है।

प्रश्न 21: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 21 में केवल कथन I पूरी तरह सत्य है। भारत दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक व उपभोक्ता है और ये फसलें नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती हैं। कथन II गलत है क्योंकि अरहर मुख्य रूप से खरीफ ऋतु की फसल है जो पाले के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती है। कथन III गलत है क्योंकि दलहन के लिए शुष्क बलुई दोमट के स्थान पर हल्की दोमट या मध्यम काली मिट्टी जिसमें फास्फोरस प्रचुर हो, उपयुक्त मानी जाती है।

प्रश्न 22: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 22 में कथन पूरी तरह सत्य है; देश के कुल तिलहन उत्पादन में मूंगफली और सरसों का हिस्सा लगभग 80% है। कारण सर्वथा गलत है क्योंकि मूंगफली मुख्य रूप से खरीफ (वर्षाकालीन) ऋतु की फसल है जो गुजरात और आंध्र प्रदेश में उगाई जाती है, जबकि तोरिया/सरसों उत्तर भारत की प्रमुख रबी (शीतकालीन) फसल है।

प्रश्न 23: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 23 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। भारत में खाद्य तेलों की घरेलू मांग बहुत तीव्र है और उत्पादकता कम होने के कारण देश को अपनी आवश्यकता का लगभग 55-60% तेल (मुख्यतः पाम ऑयल और सोयाबीन तेल) आयात करना पड़ता है। निष्कर्ष I गलत है क्योंकि भारत तिलहन में आत्मनिर्भर नहीं है।

प्रश्न 24: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 24 का विकल्प D असंगत है। असम भारत का सूरजमुखी या नारियल का सबसे बड़ा प्रायद्वीपीय उत्पादक क्षेत्र नहीं है। नारियल का प्रमुख उत्पादन केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारतीय तटीय राज्यों में होता है, जबकि सूरजमुखी का अग्रणी उत्पादक कर्नाटक है। अन्य सभी विकल्प (राजस्थान-सरसों, गुजरात-मूंगफली, मध्य प्रदेश-सोयाबीन) सत्य हैं।

प्रश्न 25: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 25 में कथन I और II सत्य हैं। ZBNF में रासायनिक खादों का निषेध है और देसी गाय के गोबर-मूत्र से निर्मित जीवामृत व बीजामृत प्रयुक्त होते हैं। कथन III गलत है क्योंकि 'वापसा' का अर्थ खेत में पानी भरना नहीं, बल्कि मिट्टी में वायु और जल वाष्प के बीच संतुलन स्थापित करना है, जो सिंचाई की आवश्यकता को 90% तक कम करता है।

प्रश्न 26: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 26 में कथन सत्य है। राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (NPOP) वाणिज्य मंत्रालय के तहत APEDA द्वारा संचालित होता है जो निर्यात मानकों को नियंत्रित करता है। कारण गलत है क्योंकि NPOP मुख्य रूप से विधिक कागजी कार्रवाई और तृतीय-पक्ष प्रमाणन पर आधारित अंतरराष्ट्रीय निर्यात हेतु है, न कि घरेलू स्व-प्रमाणन के लिए।

प्रश्न 27: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 27 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। सहभागी गारंटी प्रणाली (PGS-India) कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित है, जो छोटे किसानों के समूहों को सहकर्मी समीक्षा (Peer Review) के आधार पर घरेलू बाजार हेतु जैविक साख स्थापित करने की अनुमति देती है। निष्कर्ष I गलत है क्योंकि यह बड़े कॉर्पोरेट निर्यातकों के लिए नहीं बल्कि स्थानीय किसानों के लिए सस्ती प्रणाली है।

प्रश्न 28: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 28 का विकल्प D असंगत है। प्रिसिजन फार्मिंग (सटीक कृषि) का अर्थ बिना तकनीक के पारंपरिक रूप से अत्यधिक रसायनों का छिड़काव करना नहीं है, बल्कि ड्रोन, जीपीएस और सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उर्वरक और पानी का बिल्कुल सटीक और न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करना है।

प्रश्न 29: सही उत्तर C

व्याख्या: प्रश्न संख्या 29 में कथन I और III सत्य हैं। भारत का अधिकांश उच्च श्रेणी का लौह अयस्क धारवाड़ तंत्र की BIF संरचनाओं में मिलता है और हेमेटाइट का संकेंद्रण पूर्वी राज्यों (ओडिशा, छत्तीसगढ़) में है। कथन II गलत है क्योंकि मैग्नेटाइट के विशाल भंडार उत्तर-पूर्वी राज्यों में नहीं बल्कि भारत के पश्चिमी तटीय भाग, विशेष रूप से कर्नाटक (कुद्रेमुख) और गोवा में पाए जाते हैं।

प्रश्न 30: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 30 में कथन पूरी तरह सत्य है। कुद्रेमुख का अयस्क स्लरी पाइपलाइन द्वारा मंगलुरु बंदरगाह तक भेजा जाता है। कारण गलत है क्योंकि कुद्रेमुख एक शत-प्रतिशत निर्यात उन्मुख इकाई (100% EOU) के रूप में ही स्थापित की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य ईरान और अन्य देशों को लौह अयस्क का निर्यात करना था।

प्रश्न 31: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 31 का सही मिलान विकल्प B है। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में नोआमुंडी और गुआ (1-c) की प्राचीन खदानें हैं। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडीला (2-a) की विश्व प्रसिद्ध यंत्रीकृत खदान है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में बादामपहाड़ और गुरुमहिषानी (3-b) की हेमेटाइट खदानें स्थित हैं।

प्रश्न 32: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 32 का पैराग्राफ मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित प्रसिद्ध 'भरवेली खान' की व्याख्या करता है। यह एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत मैंगनीज खदान मानी जाती है। मैंगनीज एक अत्यंत महत्वपूर्ण धात्विक खनिज है जिसका उपयोग इस्पात निर्माण में अशुद्धियों को दूर करने और लोहे को कठोर बनाने के लिए गालक के रूप में किया जाता है।

प्रश्न 33: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 33 में कथन I और II सत्य हैं। बॉक्साइट एल्युमिनियम का प्राथमिक स्रोत है जो लैटेराइट चट्टानों के अपक्षय से बनता है। एल्युमिनियम निष्कर्षण में भारी मात्रा में बिजली खर्च होती है, इसलिए इसके संयंत्र सस्ती बिजली के पास लगाए जाते हैं। कथन III गलत है क्योंकि भारत में बॉक्साइट प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और उड़ीसा का पंचपतमाली देश का बहुत बड़ा केंद्र है।

प्रश्न 34: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 34 में कथन सर्वथा असत्य है क्योंकि भारत में तांबे के भंडार अत्यंत सीमित हैं और भारत अपनी घरेलू मांग की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर चिली और ऑस्ट्रेलिया से तांबे के आयात पर निर्भर है। कारण पूरी तरह सत्य है; मध्य प्रदेश का मलांजरखंड (बालाघाट) भारत की सबसे बड़ी ओपन कास्ट तांबा खदान है जो देश का 50% से अधिक उत्पादन वहन करती है।

प्रश्न 35: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 35 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। भारत में तांबा अयस्क में शुद्ध धातु की मात्रा औसतन 1% से भी कम होती है, जो चिली या पेरू (2-3%) की तुलना में अत्यंत निम्न श्रेणी की है। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि बॉक्साइट और तांबे का संकेंद्रण गंगा के मैदानी जलोढ़ क्षेत्रों में नहीं बल्कि प्रायद्वीपीय पठार की धारवाड़ और लैटेराइट चट्टानी संरचनाओं में पाया जाता है।

प्रश्न 36: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 36 का विकल्प D असंगत है। खेतड़ी और सिंघाना कॉपर कॉम्प्लेक्स मध्य प्रदेश में नहीं बल्कि राजस्थान के झुंझुनू जिले में स्थित हैं। अन्य सभी विकल्प पूरी तरह सुमेलित हैं: ओडिशा में कोरापुट (पंचपतमाली), झारखंड में लोहरदगा की बॉक्साइट पहाड़ियां और गुजरात के जामनगर में तटीय बॉक्साइट निक्षेप पाए जाते हैं।

प्रश्न 37: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 37 में कथन I और II सत्य हैं। अभ्रक अपने उच्च वोल्टेज प्रतिरोध के कारण इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए अनिवार्य है और कोडरमा का रूबी अभ्रक मस्कोवाइट श्रेणी का सर्वश्रेष्ठ उत्पाद है। कथन III गलत है क्योंकि आंध्र प्रदेश की नेल्लोर पेटी भारत की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण अभ्रक उत्पादक पट्टी है, न कि सबसे छोटी।

प्रश्न 38: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 38 में कथन सत्य है; भारत के कुल चूना पत्थर उत्पादन का लगभग 75% हिस्सा सीमेंट कारखानों में प्रयुक्त होता है। कारण गलत है क्योंकि स्टील मेल्टिंग शॉप (SMS) ग्रेड का चूना पत्थर घटिया नहीं बल्कि अत्यंत उच्च श्रेणी (Premium Grade) का होता है, जिसका उपयोग लौह-इस्पात भट्टियों में फ्लक्स के रूप में अशुद्धियों को दूर करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 39: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 39 का सही सुमेलन विकल्प B है। राजस्थान के बीकानेर का जामसर क्षेत्र (1-c) देश की सबसे बड़ी जिप्सम खदान है। जैसलमेर का सोनू क्षेत्र (2-a) अपने उच्च गुणवत्ता वाले स्टील (SMS) ग्रेड चूना पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। तमिलनाडु की सेलम पेटी (3-b) उच्च तापमान वाली भट्टियों के लिए आवश्यक मैग्नेसाइट खनिज का मुख्य स्रोत है।

प्रश्न 40: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 40 का पैराग्राफ 'जिप्सम' (Gypsum) की व्याख्या करता है। जिप्सम एक जलयोजित कैल्शियम सल्फेट है, जिसे स्थानीय स्तर पर हर्षोठ या सेलखड़ी भी कहा जाता है। इसका

प्राथमिक उपयोग सीमेंट उद्योग में उसके सेटिंग टाइम को नियंत्रित करने के लिए होता है। इसके अतिरिक्त, कृषि में क्षारीय और लवणीय मिट्टियों के रासायनिक सुधार हेतु मृदा संशोधक के रूप में इसका व्यापक अनुप्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 41: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 41 में कथन I और II पूरी तरह सत्य हैं। उत्तर-पूर्वी पठारी पेटी भारत की सबसे समृद्ध खनिज पेटी है जिसे 'भारत का रूर' कहते हैं। दक्षिण-पश्चिमी पेटी कर्नाटक व तमिलनाडु में है जो लोहा व सोना (कोलार/हट्टी) के लिए प्रसिद्ध है। कथन III गलत है क्योंकि उत्तर-पश्चिमी अरावली पेटी अत्यंत प्राचीन कायांतरित चट्टानों से निर्मित है जो तांबा, जस्ता और सीसा जैसे धात्विक खनिजों के लिए विख्यात है, न कि टर्शियरी अवसादी चट्टानों से।

प्रश्न 42: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 42 का कथन पूरी तरह सत्य है; देश का लगभग 97% से अधिक मूल्यवान कोयला भंडार दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी नदी घाटियों में मिलता है। कारण सर्वथा गलत है क्योंकि ये नदी घाटियाँ धारवाड़ आग्नेय चट्टानों का नहीं बल्कि अवसादी 'गोंडवाना तंत्र' की चट्टानों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहाँ वनस्पति के दबने से कोयले का निर्माण हुआ।

प्रश्न 43: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 43 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। केरल के मालाबार तट की मोनाजाइट बालू भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए अत्यंत मूल्यवान है क्योंकि यह थोरियम का मुख्य स्रोत है और भारत थोरियम के मामले में विश्व में अग्रणी है। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि थोरियम का उपयोग परमाणु रिएक्टरों में बिजली बनाने के लिए किया जाता है, इसका कोकिंग कोयले के विकल्प के रूप में लौह-इस्पात उद्योग से कोई संबंध नहीं है।

प्रश्न 44: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 44 का विकल्प B असंगत है। गोंडवाना तंत्र विंध्यन पर्वतमाला के समानांतर लिग्नाइट कोयले के भंडार के लिए नहीं जाना जाता है। भारत का लगभग 98% कोयला भंडार गोंडवाना तंत्र से आता है, लेकिन यह मुख्य रूप से बिटुमिनस श्रेणी का है और नदी घाटियों (दामोदर, महानदी) में मिलता है। लिग्नाइट कोयला मुख्य रूप से टर्शियरी निक्षेपों (तमिलनाडु के नेवेली) से संबद्ध है।

प्रश्न 45: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 45 में कथन I और III सत्य हैं। भारत का अधिकांश कोयला भंडार बिटुमिनस श्रेणी का है जो गोंडवाना काल से संबंधित है। लिग्नाइट को भूरा कोयला कहते हैं और इसका सबसे बड़ा भंडार तमिलनाडु के नेवेली में है। कथन II गलत है क्योंकि एन्थ्रेसाइट भारत में पाया जाने वाला सबसे 'उत्कृष्ट' (सर्वोत्तम) श्रेणी का कोयला है जिसमें कार्बन की मात्रा 80-95% होती है और यह धुआं रहित जलता है।

प्रश्न 46: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 46 में कथन और कारण दोनों पूरी तरह सत्य हैं। भारत में उच्च श्रेणी के कोकिंग कोयले की कमी होने के कारण इस्पात उद्योगों को इसका आयात ऑस्ट्रेलिया से करना पड़ता है। इसका कारण यह है कि भारतीय गोंडवाना बिटुमिनस कोयले में स्वभावतः राख (Ash Content) की मात्रा 35% से 45% तक

होती है, जिससे इसे सीधे ब्लास्ट फर्नेस में प्रयुक्त करने से पूर्व वाशरीज में साफ करना आवश्यक होता है। अतः कारण कथन की सही व्याख्या करता है (उत्तर विकल्प A)।

प्रश्न 47: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 47 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। पश्चिम बंगाल का रानीगंज क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित भारत का सबसे पहला और प्राचीन कोयला खनन क्षेत्र है जहाँ 1774 में व्यावसायिक खनन शुरू हुआ था। निष्कर्ष II गलत है क्योंकि झारिया क्षेत्र एन्थ्रेसाइट का नहीं बल्कि उच्च श्रेणी के 'बिटुमिनस' (कोकिंग कोल) का भारत का सबसे बड़ा भंडार केंद्र है।

प्रश्न 48: सही उत्तर C

व्याख्या: प्रश्न संख्या 48 का विकल्प C असंगत है। सिंगरेनी कोयला क्षेत्र सोन नदी घाटी में स्थित नहीं है; यह तेलंगाना राज्य में गोदावरी नदी घाटी पेटी के अंतर्गत स्थित दक्षिण भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कोयला उत्पादक केंद्र है। अन्य सभी विकल्प सुमेलित हैं (तालचर महानदी घाटी में, कोरबा हसदेव घाटी में, और बोकारो दामोदर घाटी में स्थित हैं)।

प्रश्न 49: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 49 में कथन I और II सत्य हैं। असम का डिगबोई भारत का सबसे पुराना सक्रिय तेल क्षेत्र है और अंकलेश्वर (गुजरात) खंभात बेसिन का मुख्य केंद्र है जिसे 'वसुधारा' भी कहते हैं। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि भारत का कच्चा तेल हिमनद क्षेत्रों में नहीं बल्कि टर्शियरी काल की तटीय अवसादी चट्टानों (जैसे मुंबई हाई, बाड़मेर बेसिन) में पाया जाता है।

प्रश्न 50: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 50 का कथन पूरी तरह सत्य है; मुंबई हाई अरब सागर में तट से 176 किमी दूर स्थित भारत का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र है। कारण सर्वथा गलत और हास्यास्पद है क्योंकि गहरे समुद्र से तेल निकालने के लिए बैलगाड़ियों का उपयोग असंभव है; यहाँ जापानी ड्रिलशिप 'सागर सम्राट' जैसे विशाल अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म और पाइपलाइनों का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 51: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 51 का सही मिलान विकल्प B है। राजस्थान का बाड़मेर-सांचौर बेसिन (1-b) अपने प्रसिद्ध तेल कुओं जैसे मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या के लिए जाना जाता है। मुंबई तट के दक्षिण में अरब सागर में वसीन (2-a) विशाल प्राकृतिक गैस क्षेत्र स्थित है। पूर्वी तट पर कृष्णा-गोदावरी बेसिन (3-c) रिलायंस के प्रसिद्ध डी-6 (D-6) गैस ब्लॉक के लिए विख्यात है।

प्रश्न 52: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 52 का पैराग्राह प्रसिद्ध 'HVJ' (हजीरा-विजईपुर-जगदीशपुर) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की व्याख्या करता है। यह भारत की पहली लंबी दूरी की अंतर-राज्यीय क्रॉस-कंट्री गैस पाइपलाइन है, जिसका प्रबंधन गेल (GAIL) द्वारा किया जाता है। यह पश्चिमी तट के गैस स्रोतों को उत्तर और मध्य भारत के औद्योगिक, उर्वरक और बिजली संयंत्रों से जोड़ती है।

प्रश्न 53: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 53 में कथन I और II सत्य हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति के कारण यहाँ वर्ष में 300 दिन धूप मिलती है और सौर क्षमता 750 गीगावाट आंकी गई है। जोधपुर का भड़ला सोलर पार्क (2245 मेगावाट) विश्व के विशालतम पार्कों में से है। कथन III गलत है क्योंकि सौर फोटोवोल्टिक सेल सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में बदलते हैं और इसके लिए बर्फबारी नहीं बल्कि स्वच्छ खिली हुई धूप आवश्यक है।

प्रश्न 54: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 54 का कथन पूरी तरह सत्य है। तमिलनाडु का मुप्पंडल विंड फार्म भारत का सबसे बड़ा ऑनशोर पवन ऊर्जा कॉम्प्लेक्स है और पवन ऊर्जा में तमिलनाडु अग्रणी है। कारण सर्वथा गलत है क्योंकि पवन टरबाइन के ब्लेडों को गति देने के लिए हवा की गतिज ऊर्जा आवश्यक होती है; टरबाइन चलाने के लिए न्यूनतम वायु वेग 15-20 किमी/घंटा होना अनिवार्य है, शून्य गति पर यह कार्य नहीं करेगा।

प्रश्न 55: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 55 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल है जिसका मुख्यालय गुरुग्राम में है और यह 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' (OSOWOG) पर कार्य कर रहा है। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि इसका पेट्रोलियम तेल के मूल्यों या ओपेक (OPEC) के कोटे के नियमन से कोई विधिक संबंध नहीं है; यह शुद्ध रूप से सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाला मंच है।

प्रश्न 56: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 56 का विकल्प D असंगत है। मुप्पंडल तटीय ऑफशोर पवन टरबाइन केंद्र असम राज्य में स्थित नहीं हो सकता क्योंकि असम एक भूमि-बद्ध (Land-locked) राज्य है जहाँ कोई समुद्र तट नहीं है। मुप्पंडल भारत के प्रमुख तटीय राज्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में स्थित देश का सबसे बड़ा पवन ऊर्जा केंद्र है। अन्य सभी विकल्प सुमेलित हैं।

प्रश्न 57: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 57 में कथन I और II सत्य हैं। झारखंड के जादूगुड़ा की खान भारत की पहली और प्रमुख यूरेनियम खदान है तथा आंध्र प्रदेश के तुम्मालपल्ले में विश्व के विशालतम यूरेनियम भंडार का अनुमान है। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि भारत थोरियम के मामले में अत्यंत समृद्ध है और देश के केरल तट की मोनाजाइट रेत में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

प्रश्न 58: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 58 का कथन पूरी तरह सत्य है; भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और विशेष रूप से ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में तीव्र ढाल और प्रचुर जल प्रवाह के कारण देश की सर्वाधिक जलविद्युत क्षमता निहित है। कारण पूरी तरह असत्य है क्योंकि पूर्वोत्तर भारत मरुस्थल नहीं बल्कि अत्यधिक वर्षा वाला पहाड़ी और वनाच्छादित क्षेत्र है जहाँ बारहमासी नदियों का सघन जाल है।

प्रश्न 59: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 59 का सही सुमेलन विकल्प B है। काकरापार परमाणु ऊर्जा केंद्र गुजरात (1-c) में ताप्ती नदी के निकट स्थित है। कैगा परमाणु ऊर्जा संयंत्र कर्नाटक (2-a) में काली नदी के तट पर अवस्थित है। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा केंद्र रूस के सहयोग से निर्मित तमिलनाडु (3-b) के तटीय क्षेत्र में स्थित भारत

का सबसे बड़ी क्षमता वाला परमाणु संयंत्र है।

प्रश्न 60: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 60 का पैराग्राफ 'बायोमास और बायोगैस ऊर्जा' की व्याख्या करता है। यह कृषि अवशेषों, गन्ने की खोई और पशुओं के गोबर जैसे जैविक अपशिष्टों के अवायवीय पाचन (Anaerobic Digestion) द्वारा मीथेन गैस उत्पन्न करने की प्रणाली है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा 'गोवर्धन योजना' के माध्यम से इसे विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रश्न 61: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 61 में कथन I और II पूरी तरह सत्य हैं। अल्फ्रेड वेबर के अनुसार भार-हासमान उद्योगों का पदार्थ सूचकांक (MI) 1 से अधिक होता है, इसलिए वे कच्चे माल के पास लगते हैं। शुद्ध कच्चे माल (जैसे कपास) का भार निर्माण प्रक्रम में कम नहीं होता, अतः इनका MI 1 होता है और ये कहीं भी लग सकते हैं। कथन III गलत है क्योंकि वेबर ने 'आइसोडोपेन' (समान कुल परिवहन लागत रेखा) के माध्यम से यह सिद्ध किया कि यदि श्रम की बचत परिवहन की अतिरिक्त लागत से अधिक हो, तो उद्योग का स्थानांतरण संभव है।

प्रश्न 62: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 62 का कथन पूरी तरह सत्य है; ई.एम. हूवर के अनुसार 'ब्रेक-ऑफ-बल्क' स्थान उद्योगों को आकर्षित करते हैं। कारण गलत है क्योंकि ब्रेक-ऑफ-बल्क ऐसे बिंदु होते हैं जहाँ माल को एक परिवहन के साधन से दूसरे साधन (जैसे रेल से समुद्री जहाज) में स्थानांतरित करना पड़ता है, जिससे वहाँ अनलोडिंग और लोडिंग की अतिरिक्त गतिविधियाँ और श्रम स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं (जैसे बंदरगाह)। यह निरंतर गति का सूचक नहीं बल्कि साधन परिवर्तन का बिंदु है।

प्रश्न 63: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 63 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। स्वच्छ उद्योग (जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर) वजन रहित अवयवों पर आधारित होते हैं, जिन्हें कुशल श्रम और बाज़ार तक सुगम पहुँच वाले किसी भी क्षेत्र में लगाया जा सकता है। निष्कर्ष I पूरी तरह गलत है क्योंकि इन उद्योगों में कच्चे माल की परिवहन लागत नगण्य होती है, यह इनके स्थानीयकरण का निर्णायक कारक नहीं है।

प्रश्न 64: सही उत्तर C

व्याख्या: प्रश्न संख्या 64 का विकल्प C असंगत है। ऑटोमोबाइल क्लस्टर का संबंध भार-वृद्धि वाले शीघ्र नष्ट होने वाले बेकरी उत्पादों से नहीं है। ऑटोमोबाइल क्लस्टर वाहनों, इंजनों और उनके कलपुर्जों के निर्माण से जुड़े उद्योगों का पुंज होता है (जैसे पुणे या चेन्नई)। अन्य सभी विकल्प (आइसोडोपेन, औद्योगिक जड़त्व और समूहन अर्थव्यवस्था) औद्योगिक भूगोल के स्थापित सिद्धांतों के सही तथ्यों को दर्शाते हैं।

प्रश्न 65: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 65 में कथन I और II सत्य हैं। भिलाई संयंत्र छत्तीसगढ़ में डल्ली-राजहरा से लोहा लेता है और बोकारो संयंत्र झरिया कोयला क्षेत्र के निकट न्यूनतम परिवहन लागत सिद्धांत पर स्थापित हुआ था। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि राउरकेला इस्पात संयंत्र (ओडिशा) झरिया और तालचर से कोयला प्राप्त करता है, इसका केरल के लिगनाइट से कोई भू-वैज्ञानिक संबंध नहीं है।

प्रश्न 66: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 66 में कथन और कारण दोनों पूरी तरह सत्य हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र (आंध्र प्रदेश) भारत का पहला ऐसा एकीकृत संयंत्र है जो समुद्र तट (Shore-based) पर स्थित है। इस विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण इसे विदेशों (जैसे ऑस्ट्रेलिया) से उच्च श्रेणी के कोकिंग कोयले को सीधे जहाजों से आयात करने और तैयार इस्पात को निर्यात करने की सर्वोत्तम आर्थिक लागत सुगमता प्राप्त होती है।

प्रश्न 67: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 67 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए गैस आधारित प्रणालियों और पर्यावरण-अनुकूल 'ग्रीन स्टील' (हाइड्रोजन आधारित) निर्माण को बढ़ावा देती है। निष्कर्ष I पूरी तरह गलत है क्योंकि इस नीति का लक्ष्य देश में प्रति व्यक्ति इस्पात के उपभोग को बढ़ाकर 160 किलोग्राम करना है, न कि शून्य करना।

प्रश्न 68: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 68 का विकल्प D असंगत है। भिलाई इस्पात संयंत्र (छत्तीसगढ़) को जल की आपूर्ति दक्षिण भारत की कावेरी नदी या शिवसमुद्रम नहर से नहीं हो सकती, क्योंकि यह अत्यधिक भौगोलिक दूरी पर स्थित है। भिलाई संयंत्र को जल की आपूर्ति स्थानीय तांदुला बांध और महानदी प्रणाली के जलाशयों से होती है। अन्य सभी विकल्प (टिस्को-स्वर्णरेखा, बोकारो-दामोदर, राउरकेला-ब्राह्मणी) पूरी तरह सत्य हैं।

प्रश्न 69: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 69 में कथन I और II सत्य हैं। मुंबई को सूती वस्त्रों की राजधानी (कॉटनोपोलिस) कहा जाता है और तमिलनाडु में मिलों की संख्या सर्वाधिक है जो कताई (Yarn Spinning) पर केंद्रित हैं। कथन III गलत है क्योंकि कानपुर को 'उत्तर भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है, न कि दक्षिण भारत का; और यह गंगा के मैदान के श्रमिक बाजार पर आधारित है। दक्षिण भारत का मैनचेस्टर 'कोयंबटूर' को कहा जाता है।

प्रश्न 70: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 70 में कथन और कारण दोनों पूरी तरह सत्य हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। भारत का चीनी उद्योग उत्तर से दक्षिण (महाराष्ट्र, कर्नाटक) की ओर स्थानांतरित हो रहा है क्योंकि दक्षिण की उष्णकटिबंधीय समुद्री जलवायु गन्ने में सुक्रोज (चीनी की मात्रा) को बढ़ाती है और पाला न पड़ने के कारण मिलों को पेराई के लिए 7-8 महीने का लंबा समय मिल जाता है, जबकि उत्तर भारत में यह केवल 4-5 महीने ही होता है।

प्रश्न 71: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 71 का सही मिलान विकल्प B है। गुजरात के अहमदाबाद को अपनी विशाल वस्त्र मिलों के कारण 'भारत का मैनचेस्टर' (1-c) कहा जाता है। तमिलनाडु के कोयंबटूर को सूत उत्पादन के कारण 'दक्षिण भारत का मैनचेस्टर' (2-a) कहा जाता है। राजस्थान के भीलवाड़ा को राज्य की वस्त्र नगरी या 'राजस्थान का मैनचेस्टर' (3-b) कहा जाता है।

प्रश्न 72: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 72 का पैराग्राफ चीनी उद्योग के प्रमुख उप-उत्पाद 'शीरा' (Molasses) की व्याख्या करता है। गन्ने के रस से चीनी निकालने के बाद बचे इस गाढ़े चिपचिपे द्रव का उपयोग व्यापक रूप से एथेनॉल के विनिर्माण के लिए किया जाता है। भारत सरकार के पेट्रोल में 20% एथेनॉल सम्मिश्रण (E20 लक्ष्य) कार्यक्रम के कारण वर्तमान में शीरे का आर्थिक और रणनीतिक मूल्य अत्यधिक बढ़ गया है।

प्रश्न 73: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 73 में कथन I और II पूरी तरह सत्य हैं। चेन्नई को ऑटोमोबाइल और कलपुर्जों के भारी संकेंद्रण के कारण 'एशिया का डेट्रायट' कहा जाता है, और गुरुग्राम-मानेसर बेल्ट मारुति सुजुकी के कारण उत्तरी भारत का मुख्य ऑटो हब है। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि भारत वैश्विक स्तर पर ट्रैक्टरों और दुपहिया वाहनों के निर्माण में शीर्ष देशों में शामिल है, यहाँ यह प्रतिबंधित नहीं है।

प्रश्न 74: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 74 का कथन पूरी तरह सत्य है; बेंगलुरु देश के सॉफ्टवेयर विकास और आईटी निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र होने के कारण 'भारत की सिलिकॉन वैली' कहलाता है। कारण पूरी तरह असत्य है क्योंकि सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एक 'स्वच्छंद उद्योग' (Footloose) है जो मानव मेधा (Intellectual Capital) पर आधारित है। इसका कोयला क्षेत्रों या लौह खदानों से कोई संबंध नहीं होता।

प्रश्न 75: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 75 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। भारत के कुल सेवा निर्यात का 50% से अधिक हिस्सा सॉफ्टवेयर और आईटी-बीपीएम सेवाओं के माध्यम से प्राप्त होता है, जो देश के विदेशी मुद्रा भंडार का मुख्य स्रोत है। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि आईटी उद्योग एक उच्च ज्ञान-आधारित क्षेत्र है जिसमें कुशल, अंग्रेजी भाषी और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता होती है, न कि निरक्षर कृषि श्रमिकों के शारीरिक श्रम की।

प्रश्न 76: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 76 का विकल्प D असंगत है। राष्ट्रीय वाहन स्कैपेज नीति का उद्देश्य नए इंजनों के आयात पर प्रतिबंध लगाना नहीं है, बल्कि सड़कों से पुराने, असुरक्षित और अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर नए ईंधन-कुशल और सुरक्षित घरेलू वाहनों के विनिर्माण को गति देना है। अन्य सभी योजनाएं (FAME-II, BS मानक, PLI) सही औद्योगिक नीतियों को दर्शाती हैं।

प्रश्न 77: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 77 में कथन I और II पूरी तरह सत्य हैं। छोटा नागपुर को खनिजों के संकेंद्रण के कारण 'भारत का रूर' कहते हैं और हुगली औद्योगिक प्रदेश जूट उत्पादन तथा कोलकाता बंदरगाह के कारण विकसित हुआ। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि गुजरात औद्योगिक प्रदेश का विकास कपास बेल्ट, खंभात बेसिन के खनिज तेल, कांडला बंदरगाह और रासायनिक उद्योगों पर आधारित है, इसका हिमालयी हिमनदों या रेशम से कोई संबंध नहीं है।

प्रश्न 78: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 78 का कथन पूरी तरह सत्य है; गुरुग्राम-दिल्ली-मेरठ प्रदेश एक बाजार-उन्मुख

औद्योगिक क्षेत्र है जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) की भारी उपभोक्ता मांग पर टिका है। कारण सर्वथा असत्य है क्योंकि इस क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों (जैसे NH 48), एक्सप्रेसवे और रेलमार्गों का भारत का सबसे सघन और आधुनिकतम अवसंरचना नेटवर्क मौजूद है, जिसके बिना औद्योगिक विकास असंभव था।

प्रश्न 79: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 79 का सही सुमेलन विकल्प B है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (DMIC) जापान के तकनीकी-वित्तीय सहयोग से (1-c) समर्पित माल ढुलाई और स्मार्ट सिटी क्लस्टर विकसित कर रहा है। अमृतसर-कोलकाता गलियारा (AKIC) उत्तर भारत के सघन कृषि मैदान को (2-a) पूर्वी बंदरगाहों से जोड़ता है। चेन्नई-बेंगलुरु गलियारा (CBIC) दक्षिण के ऑटो और आईटी हब को (3-b) एकीकृत करता है।

प्रश्न 80: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 80 का पैराग्राफ 'कोल्लम-तिरुवनंतपुरम औद्योगिक प्रदेश' की भौगोलिक और आर्थिक विशेषताओं की व्याख्या करता है। यह केरल के तटीय क्षेत्र में स्थित एक विशिष्ट लघु औद्योगिक प्रदेश है जहाँ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नारियल, रबर, काजू और मसालों पर आधारित प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित हैं। केरल की अंतःस्थलीय नहरों (कायल जलमार्ग) ने इसे प्राचीन काल से ही सस्ता परिवहन तंत्र प्रदान किया है।

प्रश्न 81: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 81 में कथन I और II सत्य हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय के नए नामकरण तंत्र के अनुसार, उत्तर-दक्षिण जाने वाले राजमार्गों को सम संख्या और पूर्व-पश्चिम जाने वाले राजमार्गों को विषम संख्या दी गई है। कथन III गलत है क्योंकि मुख्य राजमार्गों से निकलने वाली शाखाओं या लूप को हमेशा 'तीन अंकों' (Three Digits) की संख्या द्वारा प्रदर्शित किया जाता है (जैसे NH 144), न कि एक अंक की संख्या से।

प्रश्न 82: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 82 का कथन पूरी तरह सत्य है; भारतमाला परियोजना का उद्देश्य तटीय, सीमावर्ती और आर्थिक गलियारों का विकास करना है। कारण पूरी तरह असत्य और काल्पनिक है क्योंकि इस परियोजना का उद्देश्य मरुस्थलीय कच्चे रास्तों को सौर संचालित जलमार्गों में बदलना नहीं है, बल्कि देश के माल ढुलाई गलियारों की लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करना और राजमार्गों को चौड़ा करना है।

प्रश्न 83: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 83 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। स्वर्णिम चतुर्भुज और महा-गलियारों के विकास से देश के औद्योगिक केंद्रों के बीच कच्चे माल और तैयार उत्पादों के परिवहन की समय लागत व दूरी में भारी कमी आती है। निष्कर्ष I गलत है क्योंकि उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारे एक-दूसरे को राजस्थान के जैसलमेर में नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के झांसी शहर में प्रतिच्छेद करते हैं।

प्रश्न 84: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 84 का विकल्प D असंगत है। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 (NH 19) पोरबंदर से कोलकाता तक विस्तृत नहीं है; यह दिल्ली से प्रारंभ होकर कानपुर, वाराणसी और आसनसोल होते हुए कोलकाता तक जाता है। यह ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक (G.T.) रोड का मुख्य हिस्सा है। अन्य सभी विकल्प (NH 44, NH 27, NH

48) अपने प्रारंभिक और अंतिम बिंदुओं के साथ पूरी तरह सुमेलित हैं।

प्रश्न 85: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 85 में कथन I और III पूरी तरह सत्य हैं। ब्रॉड गेज की चौड़ाई 1.676 मीटर होती है और मेट्रो/बुलेट ट्रेन प्रणालियों में मानक गेज (1.435 मीटर) प्रयुक्त होता है। कथन II गलत है क्योंकि भारतीय रेलवे की 'यूनिगेज परियोजना' के तहत अधिकांश मीटर गेज को ब्रॉड गेज में बदला जा चुका है; वर्तमान में देश का 90% से अधिक रेल यातायात ब्रॉड गेज पर निर्भर है, मीटर गेज पर नहीं।

प्रश्न 86: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 86 का कथन पूरी तरह सत्य है; समर्पित फ्रेट कॉरिडोर (DFC) की स्थापना से मालगाड़ियों की औसत गति 25 किमी/घंटा से बढ़कर 75-100 किमी/घंटा हो रही है। कारण सर्वथा असत्य है क्योंकि DFC लाइनों का निर्माण केवल और केवल मालगाड़ियों (Freight Trains) के अनन्य संचालन के लिए किया गया है; यहाँ यात्री एक्सप्रेस गाड़ियों का प्रवेश विधिक रूप से पूरी तरह वर्जित है।

प्रश्न 87: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 87 में केवल निष्कर्ष I सत्य है। पश्चिमी समर्पित फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) दादरी से मुंबई तक विस्तृत है जो दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (DMIC) की अवसंरचनात्मक रीढ़ के रूप में कार्य करता है। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि यह मार्ग हिमनदों से नहीं बल्कि हरियाणा, राजस्थान (मारवाड़, जयपुर बेल्ट) और गुजरात के प्रमुख औद्योगिक व बंदरगाह केंद्रों से होकर गुजरता है।

प्रश्न 88: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 88 का विकल्प D असंगत है। पश्चिम रेलवे का मुख्यालय नागपुर में स्थित नहीं है; पश्चिम रेलवे (WR) का विधिक मुख्यालय मुंबई के चर्चगेट में स्थित है। नागपुर मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाला एक प्रमुख मंडल (Division) है। अन्य सभी विकल्प (उत्तर-पश्चिम रेलवे का जयपुर, उत्तर रेलवे का नई दिल्ली, पूर्व तटीय रेलवे का भुवनेश्वर) पूरी तरह सत्य हैं।

प्रश्न 89: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 89 में कथन I और II सत्य हैं। कांडला एक प्राकृतिक ज्वारीय पत्तन है जिसका पृष्ठप्रदेश राजस्थान तक है, और जेएनपीटी देश का सबसे बड़ा यंत्रीकृत कंटेनर पोर्ट है। कथन III गलत है क्योंकि मर्मगाओ बंदरगाह (गोवा) लौह अयस्क के निर्यात के लिए प्रसिद्ध है, इसका थोरियम खनिज के आयात से कोई भौगोलिक या विधिक संबंध नहीं है।

प्रश्न 90: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 90 में कथन और कारण दोनों पूरी तरह सत्य हैं। विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में स्थित भारत का सबसे गहरा और सुरक्षित भूमि-बद्ध पत्तन है। कारण इसकी सही भौगोलिक व्याख्या इसलिए करता है क्योंकि यह पत्तन 'डॉल्फिन नोज' नामक ऊँची पहाड़ी के पीछे एक सुरक्षित बेसिन में स्थित है, जिसके कारण बंगाल की खाड़ी में उठने वाले विनाशकारी चक्रवातों और समुद्री लहरों का इस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। अतः विकल्प B (व्याख्या सही है) सत्य है।

प्रश्न 91: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 91 का सही सुमेलन विकल्प B है। राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (NW 1) गंगा-भागीरथी-हुगली नदी पर प्रयागराज से हल्दिया तक (1-c) विस्तृत है, जो देश का सबसे लंबा जलमार्ग है। राष्ट्रीय जलमार्ग 2 (NW 2) ब्रह्मपुत्र नदी पर सादिया से धुबरी (2-a) तक फैला है। राष्ट्रीय जलमार्ग 3 (NW 3) केरल की पश्चिमी तट नहर में कोट्टायमपुरम से कोल्लम (3-b) तक विस्तृत है।

प्रश्न 92: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 92 का पैराग्राफ 'कोलकाता पत्तन' (श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन) की विशिष्टताओं की व्याख्या करता है। यह भारत का एकमात्र ऐसा प्रमुख नदीय (Riverine) बंदरगाह है जो हुगली नदी के किनारे समुद्र से 128 किमी अंदर स्थित है। यहाँ ज्वार के समय नदी का जल स्तर बढ़ता है, और गाद (Silt) जमा होने की समस्या को दूर करने के लिए इसके डाउनस्ट्रीम में हल्दिया गोदी परिसर को एक सहायक गहरे पत्तन के रूप में विकसित किया गया है।

प्रश्न 93: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 93 में कथन I और II पूरी तरह सत्य हैं। भारत में वायु परिवहन 1911 में डाक सेवा से शुरू हुआ और 1953 में इसका राष्ट्रीयकरण कर एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइंस बनाए गए थे। कथन III पूरी तरह गलत है क्योंकि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) का रेलगाड़ियों की पटरियों से कोई संबंध नहीं है; यह देश में विमानन सुरक्षा, उड़ान मानकों और हवाई जहाजों के नियमन की सर्वोच्च विनियामक संस्था है।

प्रश्न 94: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 94 का कथन पूरी तरह सत्य है; इनसैट और जीसैट उपग्रह भू-स्थैतिक कक्षा में स्थापित होते हैं। कारण पूरी तरह असत्य है क्योंकि भू-स्थैतिक उपग्रह 800 किमी की न्यूनतम ऊँचाई पर नहीं बल्कि पृथ्वी के भूमध्य रेखा से लगभग **36,000 किलोमीटर** की अत्यधिक ऊँचाई पर स्थापित किए जाते हैं, और इनका मुख्य कार्य ही देश में दूरसंचार और टेलीविजन प्रसारण का संचालन करना होता है।

प्रश्न 95: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 95 में केवल निष्कर्ष II सत्य है। भारतनेट परियोजना ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन को पाटने और सभी ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से जोड़ने की एक रणनीतिक और क्रांतिकारी पहल है। निष्कर्ष I पूरी तरह गलत है क्योंकि यह तांबे के तारों वाली पुरानी लैंडलाइन व्यवस्था के लिए नहीं बल्कि आधुनिक 'ऑप्टिकल फाइबर केबल' (OFC) पर आधारित उच्च गति वाले ब्रॉडबैंड इंटरनेट के लिए समर्पित है।

प्रश्न 96: सही उत्तर D

व्याख्या: प्रश्न संख्या 96 का विकल्प D असंगत है। वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा चेन्नई में स्थित नहीं है; यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में स्थित एक अत्यंत रणनीतिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। चेन्नई में स्थित हवाई अड्डे का नाम चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (मीनमबाक्कम) है।

प्रश्न 97: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 97 में कथन I और III पूरी तरह सत्य हैं। सर एम. विश्वेश्वरैया ने 1934 में आर्थिक

नियोजन की पहली रूपरेखा दी थी और सर्वोदय योजना 1950 में जयप्रकाश नारायण द्वारा लाई गई थी। कथन II गलत है क्योंकि श्रीमन्नारायण अग्रवाल द्वारा प्रतिपादित 'गांधीवादी योजना' (1944) भारी पूंजीवादी कारखानों के नहीं बल्कि विकेंद्रीकृत ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कुटीर उद्योगों और कृषि के विकास पर आधारित थी।

प्रश्न 98: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 98 का कथन पूरी तरह सत्य है; नीति आयोग सहकारी संघवाद के तहत नीचे से ऊपर (Bottom-Up) के दृष्टिकोण पर कार्य करता है। कारण पूरी तरह असत्य है क्योंकि पुराने योजना आयोग के विपरीत नीति आयोग को केंद्रीय मंत्रालयों या राज्यों को वित्तीय बजट या धन आवंटित करने की कोई वित्तीय विधिक शक्ति प्राप्त नहीं है; धन आवंटन का कार्य अब पूरी तरह वित्त मंत्रालय के अधीन है।

प्रश्न 99: सही उत्तर B

व्याख्या: प्रश्न संख्या 99 का सही सुमेलन विकल्प B है। नीति आयोग का आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP) देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों (1-b) के रियल-टाइम विकास पर केंद्रित है। SDG इंडिया इंडेक्स सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में (2-a) राज्यों की प्रगति को मापता है। इंडिया इनोवेशन इंडेक्स राज्यों की तकनीकी और नवाचार क्षमता का (3-c) राज्यवार आकलन करता है।

प्रश्न 100: सही उत्तर A

व्याख्या: प्रश्न संख्या 100 का पैराग्राफ 'मरुभूमि विकास कार्यक्रम' (Desert Development Programme - DDP) की व्याख्या करता है। यह विशिष्ट प्रादेशिक नियोजन उपागम का उदाहरण है जिसकी शुरुआत अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण को रोकने, पारिस्थिकी संतुलन को बहाल करने और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए की गई थी। यह कार्यक्रम राजस्थान के पश्चिमी शुष्क जिलों के आर्थिक भूगोल और कृषि स्थिरीकरण के लिए अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखता है।

wincompete